NEW ERA PUBLIC SCHOOL RAJBAGH.
SOLVED ASSIGNMENT OF UNIT-II
CLASS: 3rd SESSION 2021
SUBJECT: HINDI

पाठ-4.
अक्लमंद बकरी

मौखिक : (उत्तर)
1. बकरियाँ गुफ़ा में रहती थी।
2. सियार उसी गुफ़ा के पास ही एक दूसरी गुफ़ा में रहता था।

लिखित : (उत्तर)
क, बकरियाँ कम होती देख सरदार बकरी ने सभा बुलाई। उसने बकरियों से कहा, "अकेले बाहर मत जाया करो नहीं तो वे चालाक सियार तुम्हें खा जाएँगे। तुम सभी मिलकर जाया करो।"

ख, नर सियार ने माया सियार को सरदार बकरी से दोस्ती करके गुफ़ा में लाने की तरकीब निकाली।

ग, माया सियार ने बकरी से यह कहकर दोस्ती की कि नर सियार अचानक से मर गया है। तुम मेरी नर सियार को मिट्टी में दबाने में सहायता करो।

घ, सरदार बकरी को इस बात का शक था कि शायद नर सियार अभी भी जीवित है।

ङ, सरदार बकरी वापस इस लिए भाग गई क्योंकि उसने नर सियार को हिलते और आँख खोलते हुए देख लिया था।

च, मादा सियार ने सरदार बकरी को कहा कि तुम्हारे आने से मेरा पति जीवित हो गया है। इस खुशी में आज तुम्हारी मेरे घर में दावत है।

छ, मादा सियार ने जब यह सुना कि सरदार बकरी के साथ शिकारी कुत्ता भी दावत पर आएगा तो यह सुन कर मादा सियार भाग गई।

भाषा ज्ञान (Book work)

1. किसने कहा, किससे कहा?
क, नर सियार ने मादा सियार से कहा।
ख, सरदार बकरी ने बकरियों से कहा।
ग, नर सियार ने मादा सियार से कहा।
घ, सरदार बकरी ने मादा सियार से कहा।
ङ, मादा सियार ने सरदार बकरी से कहा।

Scanned with CamScanner

2. नीचे लिखे मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाएं :

क, अधीर हो उठना = बेचैन होना।
माँ को देख कर बच्चे अधीर हो उठे।

ख, दूध का जला छाछ भी फूंक - फूंक कर पीता है = सावधान होना।
मेरा बेटा दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंककर पीता है।

3. विपरीतार्थक शब्द लिखें :

क, पहाड़ = जमीन
ख, सावधानी = लापरवाही
ग, खुश = दुखी
घ, चालाक = बेवकूफ
ङ., सहमत = असहमत
च, नर = मादा

— o —

Scanned with CamScanner

पाठ - 5
मनुष्य का मूल्य

शब्द ज्ञान.
न्यायी = न्याय पसंद, प्रशंसा = अच्छाई
विद्वान = बुद्धिमान, सभासद = सभा के सदस्य
पुरोहित = ब्राह्मण, व्याकुल = घबरा जाना.

मौखिक (उत्तर)
1. राजा विक्रमादित्य न्याय प्रिय राजा थे।
2. राजा इन्द्र ने विक्रमादित्य की परीक्षा लेने के लिए मनुष्य के तीन कटे हुए सिर राजा के पास भेजे।
3. राजा विक्रमादित्य ने तीनों सिर दरबार में रखवा दिए थे।

लिखित (उत्तर)
क. कोई भी दरबारी तीनों सिरों का मूल्य इसलिए नहीं बता सके क्योंकि तीनों सिर एक जैसे थे। और एक ही मनुष्य के लग रहे थे। उनमें राई भर का फर्क नहीं दिख रहा था।

ख. पुरोहित ने उन तीनों सिरों का किस्सा पुरोहिताइन को सुनाया। सुनते ही पुरोहिताइन के होश-हवास उड़ गए।

ग, पार्वती जी ने शंकर जी से यह कहा, एक सखी के ऊपर संकट आ गया है। कुछ करना चाहिए।.

२. किसने कहा, किससे कहा ?. (उत्तर)
क, राजा ने दरबारी पुरोहितों से कहा।
ख, राजा ने पुरोहित से कहा।
ग, पुरोहित ने अपने मन में कहा।
घ, पार्वती जी ने शंकर जी से कहा।.

३. दो - दो पर्यायवाची शब्द लिखें ;
क, तालाब = सरोवर, तड़ाग।
ख, भगवान = विष्णु, देव
ग, संसार = जग, विश्व
घ, राजा = नृप, नरेश
ङ; सोना = कंचन, कनक
च, पेड़ = वृक्ष, वच.

४. लिंग बदलें =
क, महाराज = महारानी
ख, पंडित = पंडिताइन
ग, राजा = रानी
घ, विद्वान = विदुषी

५. विपरीत शब्द लिखें.
क, न्याय = अन्याय
ख, विद्वान = बेवकूफ
ग, दंड = क्षमा
घ, प्रशंसा = बुराई
ङ, अच्छाई = बुराई.

Scanned with CamScanner

पाठ - 6
अनमोल कविता

शब्द ज्ञान

हठ = जिद्द , अत्यंत = बहुत , ज्ञानी = जानकर, व्यतीत = बिताना , दरिद्रता = गरीबी, आग्रह = निवेदन , उत्साह = उमंग , अप्रत्याशित = अचानक , संतुष्ट = जितना है उससे खुश , प्रस्फुटित = अपने - आप ।

मौखिक : (उत्तर)

1. ब्राह्मण की पत्नी ने सुना था कि सीतागढ़ का राजा बहुत ही काव्य प्रेमी है ।
2. ब्राह्मण सीतागढ़ के राजा को अपनी कविता सुनाने जा रहा था ।

(लिखित : (उत्तर)

1. ब्राह्मण ने देखा कि एक कौआ बार-बार अपनी चोंच को पानी में भिगो कर पत्थर पर रगड़ रहा है ।
2. ब्राह्मण राजा के पास अपनी कविता सुना कर ईनाम पाने के लिए गया था ।
3. राजा ने पहरेदार से कहलवाया कि कवि को बिठाया जाए ।
4. राजा के मंत्री के मन में राजा की हत्या करने की बात चल रही थी ।
5. राजा को गरीब ब्राह्मण की याद आ गई थी ।
6. नाई के हाथ से उस्तरा गिरने पर नाई को

मन में शंका हुई। उसे लगा राजा ने उसके मन की बात समझ ली है। नाई उस्तरा छोड़ कर राजा के पाँव पर गिर गया बोला "महाराज! मुझे क्षमा करें, मैं बिल्कुल निर्दोष हूँ। मुझे तो मंत्री ने लालच देकर आपकी हत्या करने को कहा था।

भाषा ज्ञान

किसने कहा, किसने कहा? (उत्तर)

क. "राजा ने ब्राह्मण से कहा।"

ख. "नाई ने राजा से कहा।"

ग. "नाई ने सेनापति से कहा।"

घ. "ब्राह्मण की पत्नी ने ब्राह्मण से कहा।"

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाएँ-

क. आग्रह - विनती राम बार-बार मुझे अपने साथ खेलने के लिए आग्रह कर रहा था।

ख. व्यतीत - बिताना मुझे अपनी माँ के साथ समय व्यतीत करना अच्छा लगता है।

ग. दरिद्रता - गरीबी हमें दरिद्रता से कभी भी नहीं घबराना चाहिए।

घ. हठ - जिद्द हमें कभी भी हठ नहीं करनी चाहिए।

ङ. अत्यंत - बहुत वह कार्य मेरे लिए अत्यंत जरूरी है।

च. अप्रत्याशित - अचानक अप्रत्याशित मेरी मौसी हमारे घर आ गई।

विपरीत शब्द लिखें-

क. बड़ा - छोटा ग. गरीबी - अमीरी

ख. तेज़ - धीरे घ. संतुष्ट - असंतुष्ट

Scanned with CamScanner

(हिंदी व्याकरण)

निबंध (रेलवे स्टेशन)

भारत में रेलों का जाल बिछा है। यहा बहुत सारे रेलवे स्टेशन है। जहाँ से रेल लोगों को एक स्थान से दुसरे स्थान तक लेकर जाती है।

दिल्ली का रेलवे स्टेशन देश के बड़े स्टेशनों में गिना जाता है। इसकी इमारत बहुत बड़ी और सुंदर है। यहां स्टेशन मास्टर का कमरा, बुकिंग कार्यालय, पुछताछ कार्यालय और प्रतीक्षा भवन है।

यहाँ पर खाने पीने की सभी चीजे अखबार और पुस्तकें मिलती है। यहाँ पर दिवारों पर गाडियों के आने और जाने का समय लिखा हुआ है। टिकट-घर से पुरे दिन हर एक शहर की टिकटें मिलती रहती है। स्टेशन पर लोगों की भीड़ लगी होती है। यहाँ बहुत सारा सामान एक जगह से दुसरी जगह पहुँचाया जाता है। कुलियों और चाय वालों का ताता लगा रहता है। स्टेशन से बाहर निकलते ही टैक्सी वाले यात्रियों को घेर लेते है।

— o — o —

पत्र
प्रधानाचार्य को अवकाश प्राप्ति के लिए प्रार्थना पत्र लिखें।

प्रतिष्ठा में

श्री प्रधानाचार्य जी,
न्यू ऐरा पब्लिक स्कूल,
राजबाग, श्रीनगर।
दिनांक ...... 2021.

महोदय,

निवेदन है कि मेरे भाई का विवाह ......2020 को होना तय हुआ है। बारात दूसरे शहर जाएगी। मुझे भी बारात के साथ जाना है। कृपा करके मुझे दो दिन का अवकाश दे दीजिए।

सधन्यवाद
आपकी आज्ञाकारी शिष्य.
क, ख, ग.

विलोम लिखें : (11-20)

11. जीवन	मृत्यु
12. महात्मा	दुरात्मा
13. सुगंध	दुर्गंध
14. यश	अपयश
15. बंधन	मुक्ति
16. शांति	अशांति
17. सुमति	कुमति
18. जय	पराजय
19. बुराई	भलाई
20. रुग्ण	स्वास्थ

Scanned with CamScanner

पर्यायवाची शब्द (5-8)

4. अश्व	घोड़ा, वाजि, हय, तुरंग
5. बादल	मेघ, घन, नीरद, जलद
6. दूध	गोरस, पय, दुग्ध, क्षीर
7. जल	पानी, नीर, वारि, सलिल
8. पक्षी	विहग, खग, नभचर, पंछी

मुहावरे (11-20)

11. ऋण पटना = कर्ज वसूल होना।
12. एक आँख न भाना = तनिक भी अच्छा न लगना।
13. एड़ी चोटी का जोर लगाना = बहुत कोशिश करना।
14. होंठ फड़कना = गुस्से में होंठ काँपना।
15. कचूमर निकालना = खराब कर देना।
16. कलेजा जलाना = दुःख देना।
17. कान का कच्चा होना = किसी की बात पर भरोसा करना।
18. कौड़ी को न पूछना = महत्व न देना।
19. खाक उड़ाते फिरना = मारे-मारे फिरना।
20. खाने को दौड़ना = बुरा व्यवहार करना।

प्र० : लिंग किसे कहते हैं ?

उ० शब्द के जिस रूप से किसी पदार्थ के पुरुष अथवा स्त्री जाति के होने का ज्ञान होता है, वह लिंग कहलाता है।

लिंग के दो भेद होते हैं :

1. पुल्लिंग
2. स्त्रीलिंग

Scanned with CamScanner